E-content-3

Knowledge, Language & Curriculum
(ज्ञान, भाषा एवं पाठ्यक्रम)

B. Ed. IInd Year

Dr. Anita Chaudhary

पाठ्यक्रम के मूल तत्व
(Basic Elements of Curriculum)

पाठ्यक्रम के 4 मूल तत्व हैं :→

1. उद्देश्य, 2. पाठ्य - वस्तु, 3. शिक्षण विधियाँ, 4. मूल्यांकन।

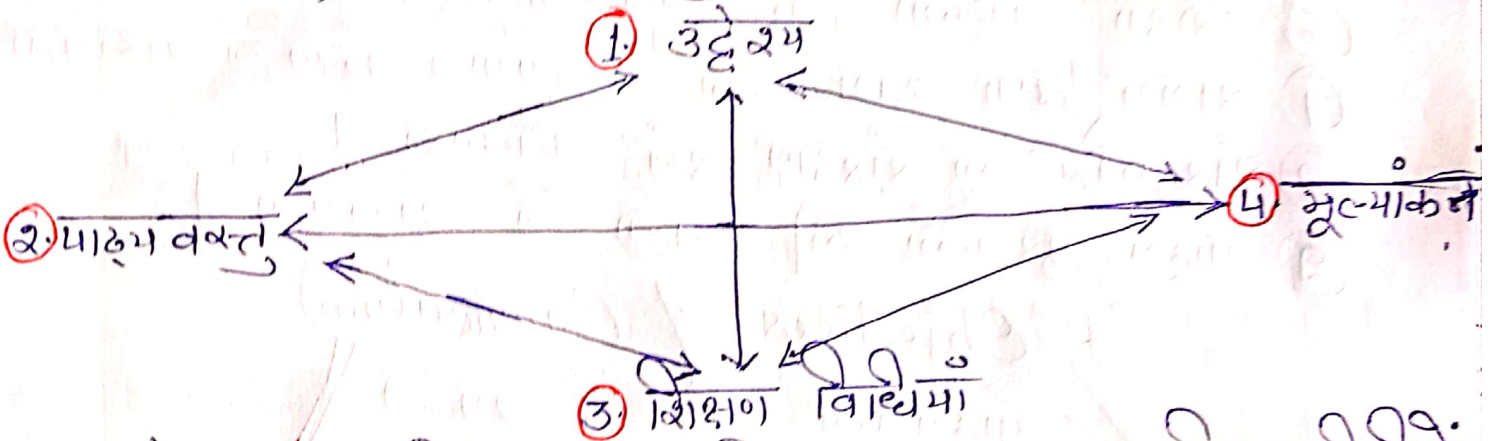

1. उद्देश्य : उद्देश्यों का निर्धारण, पाठ्य - वस्तु, शिक्षण विधियों, तथा परीक्षण को ध्यान में रखकर, अधिगम की परिस्थितियों को हासिल करने हेतु किया जाता है।

2. पाठ्य - वस्तु : अधिगम परिस्थितियों से पाठ्यवस्तु का स्वरूप निर्धारित होता है, जिस कारण इसका रूप व्यापक हो जाता है।

3. शिक्षण विधियाँ : ये पाठ्यवस्तु से सम्बन्धित होती हैं। ये अधिगम परिस्थितियों को उत्पन्न करती हैं। उद्देश्य, पाठ्य - वस्तु तथा शिक्षण विधियों से होने में अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन होते हैं।

4. मूल्यांकन : मूल्यांकन द्वारा उपरोक्त सभी पक्षों की उपादेयता के विषय में जानकारी प्राप्त होती है।

Scanned with CamScanner

Dr. Anita Chaudhary

Need and Importance of Curriculum
(पाठ्यक्रम की आवश्यकता एवम् महत्व)

① शिक्षा का समान स्तर बनाये रखने में सहायक।
② शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक।
③ व्यक्तित्व विकास में सहायक।
④ मूल्यांकन में सहायक।
⑤ निश्चित मार्ग प्रदान करने में सहायता।
⑥ शिक्षा प्रक्रिया के व्यवस्थीकरण में सहायता।
⑦ समय तथा श्रम का सदुपयोग करने में सहायता।
⑧ संस्कृति का संरक्षण एवं विकास।
⑨ पाठ्य पुस्तकों की रचना में सहायता।

Objectives of Curriculum
(पाठ्यक्रम के उद्देश्य)

① शिक्षक को स्पष्टता प्रदान करना।
② शिक्षा के निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करना।
③ छात्रों का सर्वांगीण विकास करना।
④ सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करना।
⑤ रुचि के अनुसार ज्ञान प्रदान करना।
⑥ छात्रों को उपयोगी एवं आवश्यकतानुसार ज्ञान प्रदान करना।
⑦ व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था करना।
⑧ लोकतन्त्र की स्थापना में सहायक।
⑨ मानवीय मूल्यों की स्थापना करना।

Scanned with CamScanner

Dr Anita Choudhary

(10) संस्कृति एवं सभ्यता का हस्तान्तरण।
(11) योग्य नागरिकों का निर्माण।
(12) पर्यावरणीय जागरूकता में वृद्धि करना।

Scope of Curriculum
(पाठ्यक्रम का क्षेत्र)

(1) लक्ष्यों एवं उद्देश्यों का निर्धारण
(2) शैक्षिक स्रोतों का उपयोग
(3) अधिगम प्रक्रिया की व्यवस्था
(4) छात्रों के सृजनात्मक विकास का पोषण
(5) बालकों को व्यक्तिगत बोध के अनुसार शिक्षण की व्यवस्था।
(6) नवीन प्रवृत्तियों का समावेश
(7) शैक्षिक स्रोतों का उपयोग
(8) छात्रों के समस्त कार्यों का मूल्यांकन

Factors Affecting Curriculum
(पाठ्यक्रम को प्रभावित करने वाले कारक)

1. शिक्षा व्यवस्था
2. सामाजिक परिवर्तन
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीतियाँ
4. राष्ट्रीय समस्यायें
5. परीक्षा प्रणाली
6. आर्थिक परिवर्तन
7. राजनीतिक परिदृश्य
8. आर्थिक परिवर्तन
9. पाठ्यक्रम निर्माण समिति
10. शासकीय नीतियाँ

Scanned with CamScanner

Dr. Anita Chaudhary

* Process Of Curriculum Development
(पाठ्यक्रम विकास की प्रक्रिया)

पाठ्यक्रम विकास, पाठ्यक्रम प्रबन्धन का व्यवहारिक पक्ष है। प्रबन्धन में यह माना जाता है, कि प्रत्येक प्रणाली में विकास के लिए अवसर रहता है, जिसमें अनुभवों के आधार पर विकास और सुधार किया जा सकता है। इस प्रक्रिया को "चक्रीय प्रक्रिया" कहा जाता है, जो निम्न प्रकार है :→

* Steps Involved in Curriculum Development
(पाठ्यक्रम विकास के पद)

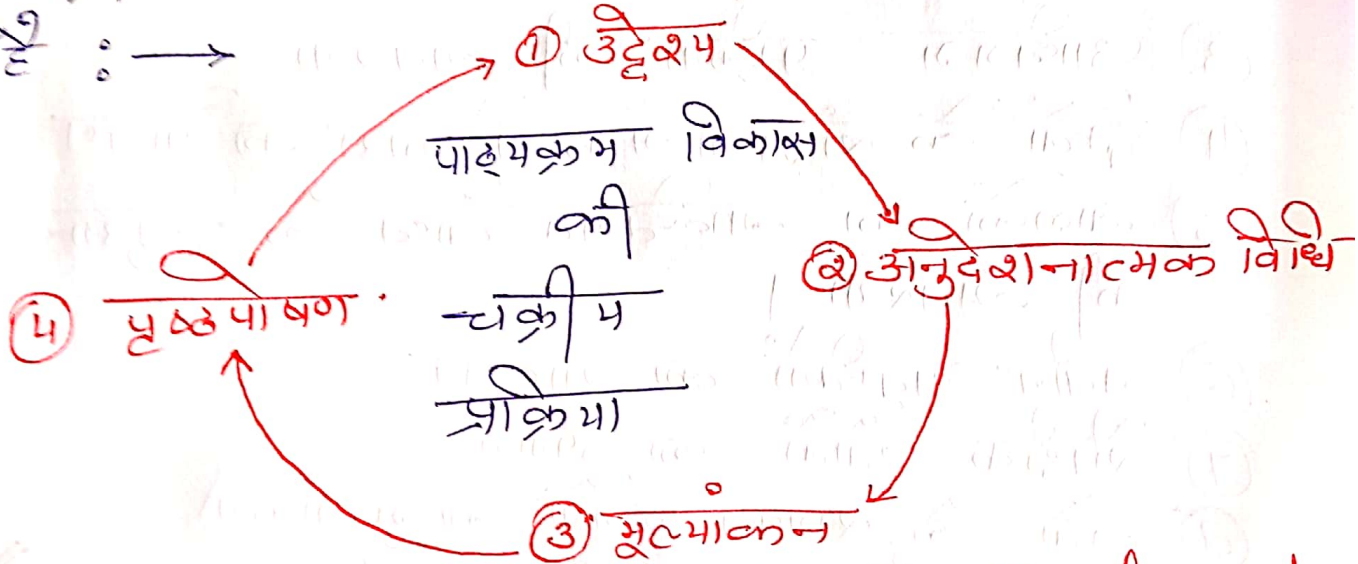

पाठ्यक्रम विकास का कार्य संगठित तथा व्यवस्थित प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रक्रिया को 3 चरणों में विभक्त किया जा सकता है :

1. नियोजन (Planning)
2. क्रियान्वयन (Implementation)
3. मूल्यांकन (Evaluation)

Scanned with CamScanner

Principles Of Curriculum Development

Dr. Anita Chaudhary

(पाठ्यक्रम विकास के सिद्धान्त)

1. उपयोगिता का सिद्धान्त (Principle Of Utility)
2. सामुदायिक जीवन से सम्बन्धित होने का सिद्धान्त (Principle of Relationship with Community Life)
3. क्रियाशीलता का सिद्धान्त (Principle of Activity)
4. सहसम्बन्ध का सिद्धान्त (Principle of Correlation)
5. मानसिक स्तरानुकूलता का सिद्धान्त (Principle of Mental Level)
6. जनतंत्रीय भावना के विकास का सिद्धान्त (Principle of Developing Democratic Spirit)
7. शिक्षा के उद्देश्यों से सम्बन्ध स्थापित करने का सिद्धान्त (Principle of Establishing Relationship with the Aims of Education)
8. वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धान्त (Principle of Individual Differences)
9. जीवन से सम्बन्धित होने का सिद्धान्त (Principle of Relationship with Life)
10. सामान्यीकरण का सिद्धान्त (Principle of Generalisation)
11. नवाचारों का सिद्धान्त (Principle of Innovation)
12. सृजनात्मक शक्तियों के उपयोग का सिद्धान्त (Principle of Utilization of Creative Power)
13. रुचि, अभियोग्यता तथा क्षमता का सिद्धान्त (Principle of Interests, Aptitudes, Abilities and Capasities)
14. अग्रदर्शिता का सिद्धान्त (Principle of Looking Forward)

Scanned with CamScanner